राष्ट्रीय सैनिक संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम के अवसर माननीय राज्यपाल महोदय का संबोधन

दिनांक–18 अक्टूबर, 2021

इस कार्यक्रम के आयोजन हेतु राष्ट्रीय सैनिक संस्था एवं इसके समर्पित सदस्यों को बधाई। वैसे तो मुझे इस कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर बुलाया गया है, परन्तु मेरे लिये इस कार्यक्रम में आना अपने परिवार से मिलने जैसा है। मेरे लिये यह गर्व का विषय है कि मैं राष्ट्र प्रेम को समर्पित इस संगठन से लम्बे समय से जुड़ा रहा हूँ। मैं राष्ट्रीय सैनिक संस्था के सभी सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। इन समर्पित सदस्यों के अथक प्रयासों से ही राष्ट्रीय सैनिक संस्था युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने, शहीदों के परिवारों की मदद करने, पूर्व सैनिकों के कल्याण तथा विभिन्न सामाजिक बुराईयों को खत्म करने जैसे महान लक्ष्यो को प्राप्त करने में सफल हो रही है।

राष्ट्रीय सैनिक संस्था एक ऐसा संगठन है जो हर तरह से अलग तथा विशिष्ट दिखाई देता है। इसकी नींव में महान वाक्य **"जय हिन्द"** है। जय हिन्द वह दो महान शब्द है जो सभी भारतीयो को जाति, धर्म, लिंग, क्षेत्र, भाषा जैसे सभी बन्धनों से मुक्त करते हुये एक राष्ट्र के प्रति एकजुट करते हैं तथा उनमें देशप्रेम का जज्बा जगाते है।

यह गर्व का विषय है कि राष्ट्र सेवा को समर्पित राष्ट्रीय सैनिक संस्था से आज देशभर में 90 हजार से अधिक पूर्व सैनिक तथा नागरिक जुड़ चुके हैं।यह समर्पित सदस्य हर समय तथा हर स्थान पर देश सेवा के लिये तैयार है। वे शहीदों के परिवारों की मदद और भलाई तथा भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिये निरन्तर प्रयासरत है। इसके साथ ही राष्ट्रीय सैनिक संस्था द्वारा विभिन्न सामाजिक बुराईयों को समाप्त करने के लिये गम्भीर प्रयास किये जा रहे हैं। यह सराहनीय है। यह प्रसन्नता का विषय है कि देश के विभिन्न स्थानों में भी संगठन के प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये जा रहे है।

आशा है कि अधिक से अधिक युवाओं इस संगठन से जुड़ने और राष्ट्रनिर्माण तथा राष्ट्रसेवा की प्रेरणा मिलेगी।

हमें गर्व है कि सीमा पर तैनात सैनिक अपना कार्य पूरे समर्पण और निष्ठा से कर रहे हैं, परन्तु प्रयास किया जाना चाहिये कि पूर्व सैनिक भी अपने अनुभवों तथा ज्ञान का उपयोग राष्ट्रनिर्माण तथा समाज की भलाई में लगाये। एक सैनिक पूरे जीवनपर्यन्त (Lifetime) सैनिक ही रहता है। कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, ईमानदारी जैसे गुण हमेशा उसके साथ रहते है चाहे सेवारत सैनिक हो या भूतपूर्व सैनिक। हमारे भूतपूर्व सैनिक आंतरिक सुरक्षा प्रबन्धन (Internal Security Management) तथा आपदा प्रबन्धन (Disaster Management) में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

युवाओं को राष्ट्रनिर्माण तथा रचनात्मक कार्यो के प्रति जागरूक करना होगा। विद्यार्थियों को स्कूलों में ही आपदा प्रबन्धन, प्राथमिक उपचार, व्यक्तित्व विकास (Personality Development) जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिये। बच्चें भविष्य में **आदर्श नागरिक** बने इसके लिये भारतीय संविधान में वर्णित (Mentioned) मूल कर्तव्यों के प्रति जागरूक

किया जाना चाहिये। अधिक से अधिक युवाओं को सेना में भर्ती के लिये प्रेरित किया जाना चाहिये।

एक सैनिक राज्य उत्तराखण्ड का राज्यपाल बनना मेरे लिये गर्व का विषय है। उत्तराखण्ड तथा इसके युवा देश और दुनिया के लिये प्रेरणास्रोत हैं। एक छोटा सा सुन्दर पर्वतीय राज्य तथा इसके ऊर्जावान लोग जिस प्रकार पीढ़ी दर पीढ़ी देश की रक्षा–सुरक्षा में योगदान दे रहें हैं, वह रोमाचिंत तथा गौरान्वित करता हैं।

मैं एक बार पुनः आप सभी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देता हूँ तथा आशा करता हूँ कि राष्ट्रीय सैनिक संस्था अपने सभी उद्देश्यों में सफल होगी तथा नये भारत (New India) के निर्माण में बड़ी भूमिका निभाएंगी।

जय हिन्द।